



ध्वनि सम्पादक

व्यूपी कोड : MES/Q3404

संस्करण : 2.0

राष्ट्रीय कौशल अर्हता फ्रेमवर्क स्तर : 4

मीडिया एण्ड एंटरटेनमेंट स्किल्स काउंसिल || व्यावसायिक परिसर क्र. JA522, पाँचवी मंजिल, डीएलएफ टॉवर A, जसोला
नई दिल्ली
110025

विषय-सूची

MES/Q3404 : ध्वनि सम्पादक	3
संक्षिप्त कार्य विवरण	3
लागू राष्ट्रीय व्यावसायिक मानक (NOS)	3
अनिवार्य व्यावसायिक मानक (NOS)	3
अर्हता पैक (QP) मापदण्ड	3
MES/N3408 : ध्वनि संपादित करना.....	5
MES/N3411 : मीडिया का दस्तावेजीकरण एवं भण्डारण करना	10
MES/N3412 : ध्वनि मिश्रण करना	14
MES/N0104 : कार्यस्थल का माहौल स्वस्थ एवं सुरक्षित बनाए रखना.....	18
मूल्यांकन सम्बन्धी दिशा-निर्देश एवं वेटेज	22
मूल्यांकन सम्बन्धी दिशा-निर्देश	22
मूल्यांकन वेटेज	23
संक्षिप्तियाँ	24
शब्दावली	25

MES/Q3404 : ध्वनि सम्पादक

कार्य का संक्षिप्त विवरण

इस कार्य को करने वाले व्यक्ति प्रोडक्शन की आवश्यकताओं के अनुरूप एवं गुणवत्ता मानकों पर खरे उतर पाने वाले ध्वनिक्रमों को तैयार करने, उन्हें व्यवस्थित और संपादित करने हेतु जिम्मेदार होते हैं।

व्यक्तिगत गुण

इस कार्य को करने वाले व्यक्ति के लिए यह जानना आवश्यक है कि विविध ध्वनि उपकरणों और सॉफ्टवेयर्स को कैसे संचालित किया जाए। प्रोडक्शन के आकार के आधार पर कार्यरत व्यक्ति को कई ध्वनि संपादन सहायकों या ध्वनि विशेषज्ञों को कार्य सौंपना/निरीक्षण करना पड़ सकता है। व्यक्ति को ध्वनिकी, मनोविश्लेषण और श्रव्य भेद के सिद्धांतों की अच्छी जानकारी होनी चाहिए। व्यक्ति को ध्वनि स्रोतों का चयन करने और प्रोडक्शन की आवश्यकताओं को पूरा करने वाले गुणवत्तापरक अंतिम उत्पाद बनाने के लिए विभिन्न संपादन तकनीकों और उपायों को लागू करने में सक्षम होना चाहिए।

लागू राष्ट्रीय व्यावसायिक मानक (एनओएस/NOS)

अनिवार्य व्यावसायिक मानक (एनओएस/NOS)

1. [MES/N3408 : ध्वनि संपादित करना](#)
2. [MES/N3411 : मीडिया का दस्तावेजीकरण एवं भण्डारण करना](#)
3. [MES/N3412 : ध्वनि मिश्रण करना](#)
4. [MES/N0104 : कार्यस्थल का माहौल स्वस्थ एवं सुरक्षित बनाए रखना](#)

अर्हता पैक (QP) मापदण्ड

क्षेत्रक	मीडिया एवं मनोरंजन
उप-क्षेत्रक	फिल्म, टेलीविजन, एनिमेशन, गेमिंग
पेशा या कार्य	ध्वनि उत्पादन
देश	भारत
एनएसक्यूएफ स्तर	4

NCO/ISCO/ISIC कोड	NCO-2015/3521.0511
न्यूनतम शैक्षणिक अर्हता एवं अनुभव	12वीं कक्षा के साथ एक वर्ष का अनुभव अथवा आई.टी.आई (दो वर्ष) के साथ दो वर्ष का अनुभव अथवा दो वर्षों से अधिक के अनुभव (ध्वनि सहायक एनएसक्यूएफ स्तर 3)
शाला में प्रशिक्षण हेतु न्यूनतम शिक्षा स्तर	कक्षा 12वीं
पूर्व-अपेक्षित लायसेंस या प्रशिक्षण	आवश्यक नहीं
नौकरी में प्रवेश हेतु न्यूनतम आयु	16 वर्ष
अन्तिम समीक्षा तिथि	निरंक
आगामी समीक्षा तिथि	निरंक
एनएसक्यूसी द्वारा अनुमोदन की तिथि	
संस्करण	2.0

टिप्पणी :

इस अर्हता पैक को 2015 में स्वीकृत किया गया था और एनएसक्यूसी ने क्यूपी में बिना किसी परिवर्तन के इसे 2019 तक बढ़ा दिया था। अतएव यहाँ उपयोग में लाया गया एनक्यूआर कोड 2019 का है।

MES/N3408 : ध्वनि संपादित करना

विवरण

यह व्यावसायिक कौशल (ओएस) इकाई प्रोडक्शन की आवश्यकता के अनुरूप विभिन्न ध्वनि स्रोतों के सम्पादन से सम्बन्धित है।

परास या विषय-क्षेत्र

इस इकाई का विषय-क्षेत्र निम्न को समाहित करता है :

- विविध प्रकार के ध्वनि स्रोतों का संपादन करना, जिनमें लाइव या पूर्व-रिकॉर्डेड संगीत, वायुमंडल ट्रैक, संवाद, फोली प्रभाव, लाइव/पूर्व-रिकॉर्डेड/इलेक्ट्रॉनिक ध्वनि प्रभाव ट्रैक आदि शामिल हैं।

अर्हता के अवयव एवं प्रदर्शन मानदण्ड/कसौटी (PC)

विविध प्रकार के ध्वनि स्रोतों को संपादित करना

इसमें सक्षम होने के लिए कार्यरत उपयोगकर्ता/व्यक्ति को निम्न में अवश्य ही समर्थ होना चाहिये :

- PC1. असंशोधित ध्वनि तत्वों को पहचानना/संरक्षित करना/व्यवस्थित करना और संपादन की तैयारी के लिए ध्वनि उपकरणों/संपादन सुविधाएँ जाँचना।
- PC2. ध्वनि स्रोत की तकनीकी और सृजनात्मक गुणवत्ता के साथ ही यह भी सत्यापित करना कि वे प्रोडक्शन मानकों के अनुरूप हैं या नहीं। आवश्यक होने पर समस्याओं को सुलझाने हेतु विकल्प प्रस्तुत करना।
- PC3. अन्तिम उत्पाद के प्रारूप के सापेक्ष आवश्यक संपादन की सीमा और परिधि निर्धारित करने के लिए ध्वनि स्रोतों को समालोचनात्मक होकर सुनना।
- PC4. अंतिम ध्वनि मिश्रण की तैयारी में किसी भी बाहरी पृष्ठभूमि की आवाज़ को हटाते हुए ध्वनि स्रोतों को काटना और सिंक्रनाइज़ करना।
- PC5. इंटरप्राइज़ की प्रक्रियाओं और प्रोडक्शन की आवश्यकताओं के अनुरूप अंतिम ध्वनि संपादन की रचनात्मक/तकनीकी गुणवत्ता जांच का प्रबंध करना।
- PC6. डिजिटल स्टोरेज और प्रारूपण की आवश्यकताओं की पूर्ति को सुनिश्चित करते हुए ध्वनि स्रोतों के डिजिटाइज़ेशन और उपयुक्त उपकरण तक उन्हें स्थानान्तरित करने की व्यवस्था करना।

ज्ञान और समझ (KU)

कार्यरत उपयोगकर्ता/व्यक्ति को निम्न का ज्ञान एवं समझ होनी चाहिए :

- KU1. निर्देशक और निर्माता के साथ विमर्श के दौरान बनी सहमति के अनुसार ध्वनि संपादन की तकनीकी एवं सृजनात्मक आवश्यकताएँ।
- KU2. अन्तिम उपयोग और वे संभावित आउटपुट उपकरण जिनसे ध्वनि सुनी जाएगी।
- KU3. आवश्यक ध्वनि-क्रम को संपादित करने के लिए तय समय-सीमा और बजटा।
- KU4. उद्योग की ध्वनि संपादन से जुड़ी मानक परंपराएँ, प्रक्रियाएँ एवं डिजिटल और एनालॉग दोनों प्रकार की तकनीकें।
- KU5. ध्वनिकी, मनोविश्लेषण और श्रव्य भेद के सिद्धांत ताकि ध्वनि तत्वों/क्रम का आलोचनात्मक विश्लेषण किया जा सके।
- KU6. श्रव्य कथा-कथन (सोनिक स्टोरीटेलिंग) के सिद्धांत, ताकि ध्यान केंद्रित किया जा सके, ऐक्शन्स को तीव्र बनाया जा सके और गति/मूड को सेट किया जा सके।
- KU7. ध्वनि दोषों (उदाहरण के लिए दबी हुई बातचीत) की पहचान कैसे करें और इनका निवारण कैसे करें।
- KU8. फ़ाइल प्रारूप, कंप्रेशन और तकनीकी मानकों के अनुरूप विभिन्न ध्वनि सामग्र को कैसे डिजिटाइज़/बदलें/बैक-अप करें।

KU9. समय कोड, फ्रेम दर और प्रार्दर्श दर का उपयोग करके चित्र और ध्वनि को कैसे सिंक्रनाइज़ करें।

KU10. ध्वनि की रिकॉर्डिंग और संपादन के सिद्धांत, मिश्रण उपकरण।

KU11. प्रोडक्शन की तकनीकी/सृजनात्मक आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए विविध ध्वनि उपकरणों/सॉफ्टवेयर (जैसे - अखंड, एडोब ऑडिशन, मैजिक्स म्यूजिक मेकर, गोल्डवेव आदि) की सहायता से ध्वनि क्रमों/खण्डों की एक परास को कैसे संपादित करें।

KU 12. लागू होने वाले प्रतिलिप्यधिकार या कॉपीराइट मानक और बौद्धिक संपदा अधिकार।

सामान्य कौशल (GS)

कार्यरत उपयोगकर्ता/व्यक्ति को यह पता होना चाहिये कि :

GS1. ध्वनि सामग्री को पहचानना/प्राप्त करना, लॉग, लेबल, सुरक्षित रूप से स्टोर करना तथा बैक-अप लेना।

GS2. स्पोर्टिंग शीट पर ध्वनि प्रभावों को विशुद्धतापूर्व लिखना।

GS3. ध्वनि अनुक्रमों का लॉग/आकलन करना तथा संबंधित प्रोडक्शन कर्मियों के पास तय समय-सीमा के भीतर संपादन निर्णय सूची जमा करना।

GS4. संपादन के लिए तकनीकी एवं सृजनात्मक आवश्यकताओं को पढ़ना व समझना।

GS5. पटकथा को पढ़कर परिप्रेक्ष्यों और भावों को समझना जिन्हें संपादन के माध्यम से अभिव्यक्त किया जाना हो?

GS6. संपादन के सॉफ्टवेयर एवं उपकरणों में अपग्रेडिंग के बारे में नवीनतम और अद्यतन ज्ञान रखना।

GS7. ध्वनि दस्तावेजों और संपादन निर्णय सूची को पढ़ना व उसे समझना।

GS8. ध्वनि संपादन के रचनात्मक/तकनीकी उद्देश्यों पर चर्चा करने के लिए संबद्ध व्यक्तियों के साथ प्रोडक्शन-पूर्व बैठकें करना और साथ-ही-साथ उपयुक्त समायोजन करने हेतु प्रोडक्शन के बाद के स्पोर्टिंग सत्रों में भाग लेना।

GS9. ध्वनि की धारणा के साथ-साथ सृजनात्मक/तकनीकी आवश्यकताओं के संबंध में निर्माता/निर्देशक/संबद्ध कर्मियों के साथ प्रभावी ढंग से संवाद करना।

GS10. साउंड डिजाइनर, इंजीनियर के साथ सहयोग करना ताकि पूरे प्रोडक्शन शेड्यूल के दौरान जरूरतों/आवश्यकताओं की पूर्ति की जा सके और यह सुनिश्चित किया जा सके कि अंतिम उत्पाद दिशा-निर्देशों के अनुरूप ही है।

GS11. कनिष्ठ कर्मियों को संपादन तकनीकों के बारे में (वैकल्पिक) और उपकरण/आईटी कर्मियों को संपादन उपकरण/सॉफ्टवेयर गुणवत्ता के बारे में अपनी प्रतिक्रिया से अवगत कराना।

GS12. अंतिम उत्पादों को लेकर अपनी प्रतिक्रिया प्रस्तुत करना और दूसरों से उन पर प्रतिक्रिया लेना तथा संशोधनों का पता करना।

GS13. कार्य की योजना करना और किसी को उसका जिम्मा सौंपना (जहाँ जैसी आवश्यकता हो) ताकि निर्धारित बजट और तय समय-सीमा के भीतर आवश्यक अंतिम उत्पाद डिलीवर किए जा सके।

GS14. कार्य के सफल निष्पादन से जुड़ी समस्याओं (जैसे - ध्वनि दोष, सिस्टम की विफलता, यांत्रिक खराबी आदि) की पहचान करना और संबंधित कर्मियों के परामर्श से उनका समाधान करना।

GS15. अंतिम उत्पादों का समालोचनात्मक विश्लेषण करना जिससे यह सुनिश्चित किया जा सके कि वे इष्टतम गुणवत्ता वाले हैं और उत्पादन के बाद की आवश्यकताओं की पूर्ति करते हैं।

मूल्यांकन के मानदण्ड

परिणामों के लिए मूल्यांकन के मानदण्ड	सैद्धान्तिक अंक	प्रायोगिक अंक	प्रायोजना के अंक	मौखिक परीक्षा के अंक
विविध प्रकार के ध्वनि स्रोतों को संपादित करना	40	60	-	-
PC1. असंशोधित ध्वनि तत्वों को पहचानना/संशोधित करना/ व्यवस्थित करना और संपादन की तैयारी के लिए ध्वनि उपकरणों/संपादन सुविधाएँ जाँचना।	10	5	-	-
PC2. ध्वनि स्रोत की तकनीकी और सृजनात्मक गुणवत्ता के साथ ही यह भी सत्यापित करना कि वे प्रोडक्शन मानकों के अनुरूप हैं या नहीं। आवश्यक होने पर समस्याओं को सुलझाने हेतु विकल्प प्रस्तुत करना।	5	5	-	-
PC3. अन्तिम उत्पाद के प्रारूप के सापेक्ष आवश्यक संपादन की सीमा और परिधि निर्धारित करने के लिए ध्वनि स्रोतों को समालोचनात्मक होकर सुनना।	5	5	-	-
PC4. अंतिम ध्वनि मिश्रण की तैयारी में किसी भी बाहरी पृष्ठभूमि की आवाज़ को हटाते हुए ध्वनि स्रोतों को काटना और सिंक्रनाइज करना।	5	15	-	-
PC5. इंटरप्राइज़ की प्रक्रियाओं और प्रोडक्शन की आवश्यकताओं के अनुरूप अंतिम ध्वनि संपादन की रचनात्मक/ तकनीकी गुणवत्ता जांच का प्रबंध करना।	5	10	-	-
PC6. डिजिटल स्टोरेज और प्रारूपण की आवश्यकताओं की पूर्ति को सुनिश्चित करते हुए ध्वनि स्रोतों के डिजिटलाइजेशन और उपयुक्त उपकरण तक उन्हें स्थानान्तरित करने की व्यवस्था करना।	10	20	-	-
एनओएस योग	40	60	-	-

राष्ट्रीय व्यावसायिक मानक (एनओएस/NOS) मापदण्ड

एनओएस कोड	MES/N3408
एनओएस का नाम	ध्वनि संपादित करना
क्षेत्रक	मीडिया एवं मनोरंजन
उप-क्षेत्रक	फ़िल्म, टेलीविज़न, एनिमेशन, गेमिंग, विज्ञापन
पेशा या कार्य	ध्वन्यांकन
एनएसक्यूएफ स्तर	5
क्रेडिट्स	TBD
संस्करण	1.0
अन्तिम समीक्षा की तिथि	21/11/2014
समीक्षा की आगामी तिथि	31/03/2022
एनएसक्यूसी द्वारा अनुमोदन की तिथि	28/09/2015

MES/N3411 : मीडिया का दस्तावेजीकरण एवं भण्डारण करना

विवरण

यह व्यावसायिक कौशल (ओएस) इकाई सटीक लॉग रखने, मीडिया को लेबल करने और मीडिया को सटीकता से तथा सुरक्षित रूप से क्रमबद्ध करने से सम्बन्धित है।

अर्हता के अवयव एवं प्रदर्शन मानदण्ड/कसौटी (PC)

मीडिया का दस्तावेजीकरण एवं भण्डारण करना

इसमें सक्षम होने के लिए कार्यरत उपयोगकर्ता/व्यक्ति को निम्न में अवश्य ही समर्थ होना चाहिये :

PC1. अभीष्ट प्रारूप में एक सटीक, संक्षिप्त, सुपाठ्य और अपडेटेड लॉग रखना।

PC2. एक ऐसा लॉग रखना जो सटीक व संक्षिप्त रूप से सेट-अप और चयनित टेक का पूरा विवरण दिखाता हो तथा उनकी गुणवत्ता और स्वीकार्यता को इंगित करता हो।

PC3. सटीक और अप-टु-डेट लेबल पर प्रोडक्शन का सही शीर्षक, सामग्री निर्माण की तिथि या कोई भी अन्य प्रासंगिक विवरण दिखाना।

PC4. रिकॉर्ड किए गए माध्यम को स्पष्ट रूप से लेबल करना और इस बात की पुष्टि करना कि माध्यम और उसके कंटेनर में समान चिह्न हैं।

PC5. व्यावसायिक रूप से महत्वपूर्ण सामग्रियों को भविष्य में उपयोग के लिए सुरक्षित रखना।

PC6. रिकॉर्डिंग, बैक-अप रिकॉर्डिंग और संबंधित सामग्रियों को सुरक्षित रूप से स्टोर करना।

ज्ञान और समझ (KU)

कार्यरत उपयोगकर्ता/व्यक्ति को निम्न का ज्ञान एवं समझ होनी चाहिए :

KU1. प्रोडक्शन और भंडारण जरूरतों की वे तकनीकी और सृजनात्मक आवश्यकताएं, जिन पर निर्देशक और निर्माता के साथ चर्चा के दौरान सहमति बनी थी।

KU2. अन्तिम उपयोग और वे संभावित आउटपुट उपकरण जिनसे ध्वनि सुनी जाएगी।

KU3. अभीष्ट ध्वनिक्रमों के भण्डारण के लिए निर्धारित समय-सीमा और बजट।

KU4. मानक लेबलिंग सिस्टम की जानकारी, चाहे वे इलेक्ट्रॉनिक हो या पेपर; तथा मीडिया के लिए इनमें से कौन सा आवश्यक है।

KU5. किस प्रकार के मीडिया और संबंधित सामग्रियों को संग्रहित किया जाना है।

KU6. कोई प्रासंगिक या आवश्यक मेटाडेटा मानक।

KU7. ध्वनि रिकॉर्डिंग, संपादन और मिश्रण उपकरणों की आधारभूत बातें।

KU8. माइक्रोफोन स्थिति, डेस्क सेटिंग जैसे सत्र के विवरणों का लॉग रखना कब आवश्यक है।

KU9. लेबल पर कौन सी जानकारी आवश्यक है; दस्तावेजीकरण में शामिल की जाने वाली तकनीकी पैरामीटर और सिंक्रनाइजेशन जानकारी, और रिकॉर्डिंग प्रारूप जैसा कि इसे लॉग में नोट किया जाना चाहिए।

KU10. समस्याओं या अन्य उपयोगी जानकारी को कैसे लॉग करें।

KU11. उपयोग की जा रही मीडिया के निर्माता द्वारा निर्दिष्ट अनुमानित क्षयकाल तथा मीडिया के प्रत्याशित बिगड़ने का समय, जैसा कि निर्माता द्वारा निर्दिष्ट किया गया है, और यह भी कि जब आवश्यक हो तो संगृहीत सामग्री को कैसे बदला जाए।

KU12. भंडारण फ़ाइल और मीडिया की इष्टतम भंडारण की स्थिति और प्रतिकूल परिस्थितियों का उस पर प्रभाव।

सामान्य कौशल (GS)

कार्यरत उपयोगकर्ता/व्यक्ति को यह पता होना चाहिये कि :

GS1. ध्वनि सामग्री को पहचानना/प्राप्त करना, लॉग, लेबल, सुरक्षित रूप से स्टोर करना तथा बैक-अप लेना।

GS2. सामग्रियों के स्टोरेज के लिए तकनीकी एवं सृजनात्मक आवश्यकताओं को पढ़ना व समझना।

GS3. भण्डारण तकनीकों एवं उपकरणों में अपग्रेडिंग के बारे में नवीनतम और अद्यतन ज्ञान रखना

मीडिया एण्ड एंटरटेनमेंट स्किल्स काउंसिल



Media & Entertainment Skills Council

योग्यता पैक



Transforming the skill landscape

- GS4. प्रलेखित/संगृहीत मीडिया के संभावित उपयोगों पर निर्माता/निर्देशक/संबद्ध कर्मियों के साथ प्रभावी ढंग से संवाद करना।
- GS5. साउंड डिजाइनर, इंजीनियर या पर्यवेक्षक के साथ सहयोगपूर्वक रूप से मिलकर आवश्यकताओं की पूर्ति करने और दिशानिर्देशों का पालन सुनिश्चित करना।
- GS6. कार्य की योजना करना और किसी को उसका जिम्मा सौंपना (जहाँ जैसी आवश्यकता हो) ताकि निर्धारित बजट और तय समय-सीमा के भीतर आवश्यक अंतिम उत्पाद डिलीवर किए जा सकें।
- GS7. कार्य के सफल निष्पादन से जुड़ी समस्याओं (जैसे - ध्वनि दोष, सिस्टम की विफलता, यांत्रिक खराबी आदि) की पहचान करना और संबंधित कर्मियों के परामर्श से उनका समाधान करना।
- GS8. अंतिम उत्पादों का समालोचनात्मक विश्लेषण करना जिससे यह सुनिश्चित किया जा सके कि वे इष्टतम गुणवत्ता वाले हैं और उत्पादन के बाद की आवश्यकताओं की पूर्ति करते हैं।

मूल्यांकन के मानदण्ड

परिणामों के लिए मूल्यांकन के मानदण्ड	सैद्धान्तिक अंक	प्रायोगिक अंक	प्रायोजना के अंक	मौखिक परीक्षा के अंक
मीडिया का दस्तावेजीकरण एवं भण्डारण करना	40	60	-	-
PC1. अभीष्ट प्रारूप में एक सटीक, संक्षिप्त, सुपाठ्य और अपडेटेड लॉग रखना।	10	5	-	-
PC2. एक ऐसा लॉग रखना जो सटीक व संक्षिप्त रूप से सेट-अप और चयनित टेक का पूरा विवरण दिखाता हो तथा उनकी गुणवत्ता और स्वीकार्यता को इंगित करता हो।	5	5	-	-
PC3. सटीक और अप-टु-डेट लेबल पर प्रोडक्शन का सही शीर्षक, सामग्री निर्माण की तिथि या कोई भी अन्य प्रासंगिक विवरण दिखाना।	5	5	-	-
PC4. रिकॉर्ड किए गए माध्यम को स्पष्ट रूप से लेबल करना और इस बात की पुष्टि करना कि माध्यम और उसके कंटेनर में समान चिह्न हैं।	5	15	-	-
PC5. व्यावसायिक रूप से महत्वपूर्ण सामग्रियों को भविष्य में उपयोग के लिए सुरक्षित रखना।	5	10	-	-
PC6. रिकॉर्डिंग, बैक-अप रिकॉर्डिंग और संबंधित सामग्रियों को सुरक्षित रूप से स्टोर करना।	10	20	-	-
एनओएस योग	40	60	-	-

राष्ट्रीय व्यावसायिक मानक (एनओएस/NOS) मापदण्ड

एनओएस कोड	MES/N3411
एनओएस का नाम	मीडिया का दस्तावेजीकरण एवं भण्डारण करना
क्षेत्रक	मीडिया एवं मनोरंजन
उप-क्षेत्रक	फ़िल्म, टेलीविज़न, रेडियो, एनिमेशन, गेमिंग, विज्ञापन
पेशा या कार्य	ध्वन्यांकन
एनएसक्यूएफ स्तर	5
क्रेडिट्स	TBD
संस्करण	1.0
अन्तिम समीक्षा की तिथि	21/11/2014
आगामी समीक्षा की तिथि	31/03/2022
एनएसक्यूसी द्वारा स्वीकरण की तिथि	28/09/2015

MES/N3412 : ध्वनि मिश्रण करना

विवरण

यह व्यावसायिक कौशल (ओएस) इकाई प्रोडक्शन की माँग के अनुरूप विविध शैलियों में रिकॉर्डिंग तैयार करने व बनाने की प्रक्रियाओं से सम्बन्धित है।

परास या विषय-क्षेत्र

इस इकाई का विषय-क्षेत्र निम्न को समाहित करता है :

- ध्वनि-स्रोतों के साथ कार्य करना।
- पोस्ट-प्रोडक्शन या लाइव रिकॉर्डिंग के दौरान आवश्यक स्तर, टोनल गुणवत्ता, ऑडियो छवि और बोधगम्यता प्राप्त करने के लिए ध्वनि मिश्रण या साउण्ड मिक्सिंग करना।
- सहयोगियों एवं सहकर्मियों के साथ ध्वनि-स्रोतों एवं प्रोडक्शन में कार्य करना। प्रोडक्शन में जहाँ ध्वनि ट्रैक, पृष्ठभूमि स्कोर, साक्षात्कार, वृत्तचित्र, लाइव इवेंट, समाचार प्रसारण, रेडियो कार्यक्रम शामिल हो सकते हैं वहीं ध्वनि स्रोतों में लाइव संगीत, गाने, साक्षात्कार, घोषणाएं, संवाद, टिप्पणियां आदि या पहले से रिकॉर्ड किए गए साउंड ट्रैक/क्लिप, फोन-इन्स शामिल हो सकते हैं।

अर्हता के अवयव एवं प्रदर्शन मानदण्ड/कसौटी (PC)

ध्वनि स्रोतों के साथ कार्य करना

इसमें सक्षम होने के लिए कार्यरत उपयोगकर्ता/व्यक्ति को निम्न में अवश्य ही समर्थ होना चाहिये :

- PC1. अंतिम मिश्रण के लिए आवश्यक स्रोतों का आकलन करने के लिए वैध मानदंडों का चयन करें और विश्वसनीय तरीकों का उपयोग करें।
- PC2. आवश्यक ध्वनि के अनुरूप ध्वनि स्रोतों में वांछित बोधगम्यता, स्थिति और छवि है, इस बात की पुष्टि करना।
- PC3. यह सुनिश्चित करना कि जहां उपयुक्त हो, स्टीरियो और मल्टी-चैनल ध्वनि स्रोतों में आवश्यक अनुकूलता हो।
- PC4. तकनीकी सीमाओं के भीतर और वांछित गतिशील सीमा के भीतर समग्र संकेत के स्तर को नियंत्रित करना।

ध्वनि मिश्रण करना

इसमें सक्षम होने के लिए कार्यरत उपयोगकर्ता/व्यक्ति को निम्न में अवश्य ही समर्थ होना चाहिये :

- PC5. अभीष्ट ध्वनि हेतु उपयुक्त स्तर, संतुलन, तान, परिप्रेक्ष्य और गतिशील परास प्राप्त करने के लिए ध्वनि स्रोतों को कुशलतापूर्वक संचालित करना।
- PC6. प्रोडक्शन के प्रतिबन्धों के भीतर ही ध्वनि मिश्रण करना।
- PC7. ऐसा मिश्रण तैयार करना जो सुनने के परिप्रेक्ष्य के हिसाब से उपयुक्त हो।
- PC8. ध्वनि मिश्रण बनाने से जुड़ी किसी भी समस्या को सही ढंग से पहचानना और उसे तत्काल ठीक करना; सहयोगियों व सहकर्मियों को होने वाले व्यवधान को कम करना।
- PC9. यह सुनिश्चित करना कि ट्रैक और मिक्स इस तरह व्यवस्थित हैं कि जो बाद में संपादन में उपयोग हेतु उपयुक्त हैं।
- PC10. सुनिश्चित करना कि कोई भी कागजी कार्रवाई सटीक, सुपाठ्य हो और उन परंपराओं के अनुरूप हों जो अन्य मिक्सर, ध्वनि तकनीशियनों आदि द्वारा समझी जाएंगी।

सहयोगियों एवं सहकर्मियों के साथ कार्य करना

इसमें सक्षम होने के लिए कार्यरत उपयोगकर्ता/व्यक्ति को निम्न में अवश्य ही समर्थ होना चाहिये :

- PC11. उपकरण की स्थिति और आवश्यकताओं के संबंध में ध्वनि या अन्य सदस्यों के साथ कुशलता से संवाद करना।
- PC12. ध्वनि मिश्रण के दौरान सहयोगियों, सहकर्मियों, ग्राहक या प्रोडक्शन टीम के सुझावों को समझना व उनका प्रत्युत्तर देना तथा किसी भी तरह

की अस्पष्टता को दूर करना।

PC13. ध्वनि मिश्रण के साथ किसी भी समस्या को स्पष्ट रूप से समझाना और उसका एक सार्थक विकल्प पेश करना

ज्ञान और समझ (KU)

कार्यरत उपयोगकर्ता/व्यक्ति को निम्न का ज्ञान एवं समझ होनी चाहिए :

KU1. प्रोडक्शन/ध्वनि की अवधारणा संबंधी रचनात्मक और तकनीकी आवश्यकताएं

KU2. प्रोडक्शन के अपेक्षित गुणवत्ता मानक।

KU3. अभीष्ट ध्वनि रिकॉर्ड करने हेतु निर्धारित समय-सीमा और बजट

KU4. आमतौर पर उपयोग किए जाने वाले मिश्रण, सहायक और एन्कोडिंग उपकरण की कार्यात्मक और परिचालन विशेषताएं

KU5. कथा के सिद्धांत और फिल्म व कार्यक्रम बनाने की विभिन्न शैलियाँ तथा विविध श्रेणियों की परंपराएँ।

KU6. गतिक परिधि और बोधगम्यता की आवश्यकताएँ, और उन्हें कैसे प्राप्त करें।

KU7. विभिन्न प्रकार के ध्वनि-व्यवहार और समानीकरण तथा उन्हें कैसे प्राप्त करें?

KU8. स्वर की गुणवत्ता और परिप्रेक्ष्य की विशेषताएँ, और उन्हें कैसे प्राप्त करें।

KU9. पिच, लय, ताल, माधुर्य और स्वर-संगति के बुनियादी सिद्धांत और उन्हें कैसे लागू किया जाए

KU10. मोनो, स्टीरियो और सराउंड फॉर्मेट की विशेषताएँ, उपयोग और आवश्यकताएँ, और उन्हें कैसे प्राप्त करें।

KU11. संगीत के सिद्धांत और शैलियाँ तथा संगीतज्ञों के विभिन्न समूह (जैसे - ऑर्केस्ट्रा, स्ट्रिंग चौकड़ी, रॉक समूह, जैज चौकड़ी, एकल कलाकार आदि)।

KU12. वह परिप्रेक्ष्य जिसमें कोई ध्वनि मिश्रण प्ले किया जाएगा; अंतिम उत्पाद का उपयोग किस लिए किया जाएगा और किस उपकरण से इसे सुना जाएगा। इनके साथ-साथ यह भी कि मिश्रण बनाते समय इन सब बातों का ध्यान कैसे रखें?।

KU13. पोस्ट-प्रोडक्शन ध्वनि और एडिटिंग की आवश्यकता तथा पोस्ट-प्रोडक्शन में ध्वनि का उपयोग कैसे किया जाए?

KU14. अपने सैद्धांतिक और व्यावहारिक दोनों घटकों के सन्दर्भ में साउंड एडिटिंग/मिक्सिंग सॉफ्टवेयर (जैसे - एडॉब ऑडिशन, नुएण्डो, पिरामिड)

KU15. लागू होने वाले प्रतिलिप्यधिकार या कॉपीराइट मानक और बौद्धिक संपदा अधिकार।

सामान्य कौशल (GS)

कार्यरत उपयोगकर्ता/व्यक्ति को यह पता होना चाहिये कि :

GS1. रिकॉर्डिंग/मिश्रण सत्रों के दौरान उपयोग करने के लिए नोट्स तैयार करना।

GS2. ध्वनि की अवधारणा को पढ़ना व समझना।

GS3. रिकॉर्डिंग के लिए तकनीकी एवं सृजनात्मक आवश्यकताओं को पढ़ना व समझना।

GS4. पटकथा को पढ़कर उन परिप्रेक्ष्यों और भावों को समझना जिन्हें ध्वनि के माध्यम से अभिव्यक्त किया जाना हो।

GS5. ध्वनि की अवधारणा या किन्हीं भी अन्य रचनात्मक/तकनीकी आवश्यकताओं के संबंध में ध्वनि पर्यवेक्षक, निर्माता या सहयोगियों के साथ संवाद करना।

GS6. ध्वनि की अवधारणा के संगत होने के लिए दिए गए ध्वनि स्रोतों के साथ ध्वनि उत्पन्न करने की संभावनाओं पर विमर्श करना।

GS7. अंतिम उत्पादों को लेकर अपनी प्रतिक्रिया प्रस्तुत करना और दूसरों से उन पर प्रतिक्रिया लेना तथा संशोधनों का पता करना।

GS8. व्यक्तिगत कार्य और समय-सीमा की योजना बनाना ताकि तय समय-सीमा और बजट के भीतर अभीष्ट अंतिम-उत्पाद डिलीवर किए जा सकें।

GS9. कार्य के सफल निष्पादन से जुड़ी समस्याओं की पहचान करना और ध्वनि-पर्यवेक्षक के परामर्श से उनका समाधान करना।

GS10. अंतिम उत्पादों का समालोचनात्मक विश्लेषण करना जिससे यह सुनिश्चित किया जा सके कि वे इष्टतम गुणवत्ता वाले हैं और उत्पादन के बाद की आवश्यकताओं की पूर्ति करते हैं।

मूल्यांकन के मानदण्ड

परिणामों के लिए मूल्यांकन के मानदण्ड	सैद्धान्तिक अंक	प्रायोगिक अंक	प्रायोजना के अंक	मौखिक परीक्षा के अंक
ध्वनि स्रोतों के साथ कार्य करना	12	18	-	-
PC1. अंतिम मिश्रण के लिए आवश्यक स्रोतों का आकलन करने के लिए वैध मानदंडों का चयन करें और विश्वसनीय तरीकों का उपयोग करें	4	6	-	-
PC2. आवश्यक ध्वनि के अनुरूप ध्वनि स्रोतों में वांछित बोधगम्यता, स्थिति और छवि है, इस बात की पुष्टि करना।	4	6	-	-
PC3. यह सुनिश्चित करना कि जहां उपयुक्त हो, स्टीरियो और मल्टी-चैनल ध्वनि स्रोतों में आवश्यक अनुकूलता हो।	2	3	-	-
PC4. तकनीकी सीमाओं के भीतर और वांछित गतिशील सीमा के भीतर समग्र संकेत के स्तर को नियंत्रित करना।	2	3	-	-
ध्वनि मिश्रण करना	20	30	-	-
PC5. अभीष्ट ध्वनि हेतु उपयुक्त स्तर, संतुलन, तान, परिप्रेक्ष्य और गतिशील परास प्राप्त करने के लिए ध्वनि स्रोतों को कुशलतापूर्वक संचालित करना।	4	6	-	-
PC6. प्रोडक्शन के प्रतिबन्धों के भीतर ही ध्वनि मिश्रण करना।	2	3	-	-
PC7. ऐसा मिश्रण तैयार करना जो सुनने के परिप्रेक्ष्य के हिसाब से उपयुक्त हो।	4	6	-	-
PC8. ध्वनि मिश्रण बनाने से जुड़ी किसी भी समस्या को सही ढंग से पहचानना और उसे तत्काल ठीक करना; सहयोगियों व सहकर्मियों को होने वाले व्यवधान को कम करना।	4	6	-	-
PC9. यह सुनिश्चित करना कि ट्रैक और मिक्स इस तरह व्यवस्थित हैं कि जो बाद में संपादन में उपयोग हेतु उपयुक्त हैं	2	3	-	-
PC10. सुनिश्चित करना कि कोई भी कागजी कार्रवाई सटीक, सुपाठ्य हो और उन परंपराओं के अनुरूप हों जो अन्य मिक्सर, ध्वनि तकनीशियनों आदि द्वारा समझी जाएंगी।	4	6	-	-
सहयोगियों एवं सहकर्मियों के साथ कार्य करना	8	12	-	-
PC11. उपकरण की स्थिति और आवश्यकताओं के संबंध में ध्वनि या अन्य सदस्यों के साथ कुशलता से संवाद करना।	4	6	-	-

PC12. ध्वनि मिश्रण के दौरान सहयोगियों, सहकर्मियों, ग्राहक या प्रोडक्शन टीम के सुझावों को समझना व उनका प्रत्युत्तर देना तथा किसी भी तरह की अस्पष्टता को दूर करना।	2	3	-	-
PC13. ध्वनि मिश्रण के साथ किसी भी समस्या को स्पष्ट रूप से समझाना और उसका एक सार्थक विकल्प पेश करना।	2	3	-	-
एनओएस योग	40	60	-	-

राष्ट्रीय व्यावसायिक मानक (एनओएस/NOS) मापदण्ड

एनओएस कोड	MES/N3412 :
एनओएस का नाम	ध्वनि मिश्रण करना
क्षेत्रक	मीडिया एवं मनोरंजन
उप-क्षेत्रक	फ़िल्म, टेलीविज़न, एनिमेशन, गेमिंग, विज्ञापन
पेशा या कार्य	ध्वन्यांकन
एनएसक्यूएफ स्तर	4
क्रेडिट्स	TBD
संस्करण	1.0
अन्तिम समीक्षा की तिथि	21/11/2014
आगामी समीक्षा की तिथि	31/03/2022
एनएसक्यूसी द्वारा स्वीकरण की तिथि	28/09/2015

MES/N0104 : कार्यस्थल का माहौल स्वस्थ एवं सुरक्षित बनाए रखना

विवरण

यह व्यावसायिक कौशल (ओएस) इकाई कार्यस्थल के वातावरण के स्वस्थ एवं सुरक्षित बनाने में योगदान देने से सम्बन्धित है।

अर्हता के अवयव एवं प्रदर्शन मानदण्ड/कसौटी (PC)

कार्यस्थल में विद्यमान स्वास्थ्य, सुरक्षा और सुरक्षा जोखिमों को समझना

इसमें सक्षम होने के लिए कार्यरत उपयोगकर्ता/व्यक्ति को निम्न में अवश्य ही समर्थ होना चाहिये :

PC1. संगठन की मौजूदा स्वास्थ्य, सुरक्षा एवं सुरक्षा नीतियों व प्रक्रियाओं को समझना।

PC2. संगठन की मौजूदा स्वास्थ्य, सुरक्षा एवं सुरक्षा नीतियों व प्रक्रियाओं को समझना।

PC3. अस्वस्थता, दुर्घटनाओं, आग लगने या अन्य भी कोई जिनमें कार्य परिसरों को खाली कराने की ज़रूरत हो आदि आपात्कालीन उपबन्धों सहित स्वास्थ्य एवं सुरक्षा सम्बन्धी सरकारी मानदण्डों को समझना।

PC4. संगठन स्वास्थ्य और सुरक्षा ज्ञान-सत्र और अभ्यास में भाग लेना।

स्वास्थ्य-सुरक्षा के लिए उत्तरदायी लोगों को तथा उपलब्ध संसाधनों को जानना

इसमें सक्षम होने के लिए कार्यरत उपयोगकर्ता/व्यक्ति को निम्न में अवश्य ही समर्थ होना चाहिये :

PC5. कार्यस्थल में स्वास्थ्य एवं सुरक्षा हेतु उत्तरदायी लोगों की पहचान करना, जिनमें वे लोग भी शामिल हों, जिनसे आपात्काल में सम्पर्क किया जा सके।

PC6. फ़ायर अलार्म आदि आपात्कालीन संकेतों को तथा सीढ़ियों, अग्निशमन केन्द्रों, प्राथमिक उपचार, चिकित्सा कक्षों आदि को पहचानना।

जोखिमों को पहचानना एवं उनकी रिपोर्टिंग करना

इसमें सक्षम होने के लिए कार्यरत उपयोगकर्ता/व्यक्ति को निम्न में अवश्य ही समर्थ होना चाहिये :

PC7. अपने कार्यस्थल के उन पक्षों को पहचानना, जो स्वयं या दूसरों के स्वास्थ्य एवं सुरक्षा के लिए संभावित जोखिम हो सकते हैं।

PC8. सावधानता के उपाय बरतते हुए कार्यस्थल में अपने व दूसरों का स्वास्थ्य-सुरक्षा सुनिश्चित करना।

PC9. नामित जिम्मेदार व्यक्ति की पहचान कर उसे स्वास्थ्य-सुरक्षा के क्षेत्र में सुधार हेतु सुझाव देना।

PC10. किसी एक व्यक्ति के नियंत्रण के बाहर के किन्हीं भी खतरों की रिपोर्ट संगठनात्मक प्रक्रियाओं के अनुरूप सम्बन्धित व्यक्ति को देना एवं प्रभावित हो सकने वाले अन्य लोगों को सचेत करना।

आपात्कालीन परिस्थितियों में तत्सम्बन्धी प्रक्रियाओं का पालन करना

इसमें सक्षम होने के लिए कार्यरत उपयोगकर्ता/व्यक्ति को निम्न में अवश्य ही समर्थ होना चाहिये :

PC11. किसी खतरे की स्थिति में दुर्घटनाओं, आग या किसी अन्य प्राकृतिक आपदा आदि के लिए संगठनों की आपात्कालीन प्रक्रियाओं का पालन करना।

PC12. व्यक्तिगत प्राधिकार की सीमा में रहते हुए अस्वस्थता, दुर्घटना, आगजनी या अन्य प्राकृतिक आपदाओं के जोखिमों को पहचानना एवं उन्हें सुरक्षित रूप से दूर करना।

ज्ञान और समझ (KU)

कार्यरत उपयोगकर्ता/व्यक्ति को निम्न का ज्ञान एवं समझ होनी चाहिए :

KU1. संगठन के स्वास्थ्य एवं सुरक्षा सम्बन्धी मानदण्ड।

KU2. आपात्कालीन उपबन्धों सहित स्वास्थ्य एवं सुरक्षा सम्बन्धी सरकारी मानदण्ड।

KU3. खतरों एवं जोखिमों से निपटते समय अधिकार की सीमा।

- KU4. कार्यस्थल पर स्वास्थ्य एवं सुरक्षा के उच्चतम मानक बनाए रखने का महत्व
- KU5. कार्यस्थल में स्वास्थ्य एवं सुरक्षा सम्बन्धी विविध खतरे
- KU6. अपने स्वयं की कार्य-भूमिका में सुरक्षित रहते हुए कार्य करना
- KU7. जोखिमों से निपटने के लिए निर्गमन प्रक्रियाओं एवं अन्य प्रबन्ध
- KU8. कार्यस्थल में स्वास्थ्य एवं सुरक्षा हेतु उत्तरदायी व्यक्तियों के नाम एवं सम्पर्क नम्बर
- KU9. जहां आवश्यक हो, वहाँ चिकित्सा सहायता और आपात्कालीन सेवाओं को कैसे बुलाएं?
- KU10. उपकरण, सिस्टम और/या मशीनों का उपयोग करते समय स्वास्थ्य और सुरक्षा बनाए रखने के लिए विक्रेता या निर्माताओं के अनुदेश

सामान्य कौशल (GS)

कार्यरत उपयोगकर्ता/व्यक्ति को यह पता होना चाहिये कि :

- GS1. सम्बन्धित व्यक्ति को स्वास्थ्य एवं सुरक्षा सम्बन्धी मामलों में फ्रीडबैक कैसे दें?
- GS2. सम्बन्धित व्यक्ति के समक्ष सम्भावित जोखिमों को कैसे उजागर करें या उसे स्वास्थ्य एवं सुरक्षा सम्बन्धी खतरों की रिपोर्ट कैसे दें?
- GS3. स्वास्थ्य-सुरक्षा सम्बन्धी अनुदेशों, नीतियों, प्रक्रियाओं एवं मारकों को कैसे पढ़ें और समझें?
- GS4. नामित व्यक्ति के समक्ष सम्भावित जोखिमों को कैसे उजागर करें और खतरों की रिपोर्ट कैसे दें?
- GS5. कैसे संबंधित या प्रभावित सभी लोगों से जानकारी सुनें और उनसे संवाद करें?
- GS6. किसी कार्रवाई या योजना के दौरान उचित समय पर निर्णय कैसे लें?
- GS7. कैसे अपने दायरे में आने वाले जोखिमों/खतरों से निपटने के लिए लोगों और संसाधनों की योजना बनाएं और उन्हें व्यवस्थित करें
- GS8. विभिन्न परिस्थितियों में समस्याओं के समाधान की प्रवृत्ति कैसे लाएँ?
- GS9. उन खतरों को कैसे समझें जो व्यक्तिगत प्राधिकरण के दायरे में आते हैं और उन सभी खतरों की रिपोर्ट कैसे करें जो किसी के अधिकार के दायरे से बाहर हैं?
- GS10. विभिन्न परिस्थितियों में सन्तुलित निर्णय कैसे लें?
- GS11. सहकर्मियों एवं ग्राहकों के साथ सकारात्मक एवं प्रभावी सम्बन्ध कैसे बनाए रखें?
- GS12. डेटा एवं गतिविधियों का विश्लेषण कैसे करें?

मूल्यांकन के मानदण्ड

परिणामों के लिए मूल्यांकन के मानदण्ड	सैद्धान्तिक अंक	प्रायोगिक अंक	प्रायोजना के अंक	मौखिक परीक्षा के अंक
कार्यस्थल में विद्यमान स्वास्थ्य, सुरक्षा और सुरक्षा जोखिमों को समझना	15	15	-	-
PC1. संगठन की मौजूदा स्वास्थ्य, सुरक्षा एवं सुरक्षा नीतियों व प्रक्रियाओं को समझना।	5	5	-	-
PC2. संगठन की मौजूदा स्वास्थ्य, सुरक्षा एवं सुरक्षा नीतियों व प्रक्रियाओं को समझना	5	5	-	-
PC3. अस्वस्थता, दुर्घटनाओं, आग लगने या अन्य भी कोई जिनमें कार्य परिसरों को खाली कराने की ज़रूरत हो आदि आपात्कालीन उपबन्धों सहित स्वास्थ्य एवं सुरक्षा सम्बन्धी सरकारी मानदण्डों को समझना	5	2	-	-
PC4. संगठन स्वास्थ्य और सुरक्षा ज्ञान-सत्र और अभ्यास में भाग लेना।	5	3	-	-
स्वास्थ्य-सुरक्षा के लिए उत्तरदायी लोगों को तथा उपलब्ध संसाधनों को जानना	10	10	-	-
PC5. कार्यस्थल में स्वास्थ्य एवं सुरक्षा हेतु उत्तरदायी लोगों की पहचान करना, जिनमें वे लोग भी शामिल हों, जिनसे आपात्काल में सम्पर्क किया जा सके।	5	5	-	-
PC6. फ़ायर अलार्म आदि आपात्कालीन संकेतों को तथा सीढ़ियों, अग्निशमन केन्द्रों, प्राथमिक उपचार, चिकित्सा कक्षों आदि को पहचानना।	5	5	-	-
जोखिमों को पहचानना एवं उनकी रिपोर्टिंग करना	18	17	-	-
PC7. अपने कार्यस्थल के उन पक्षों को पहचानना, जो स्वयं या दूसरों के स्वास्थ्य एवं सुरक्षा के लिए संभावित जोखिम हो सकते हैं।	5	5	-	-
PC8. सावधानिता के उपाय बरतते हुए कार्यस्थल में अपने व दूसरों का स्वास्थ्य-सुरक्षा सुनिश्चित करना।	5	5	-	-
PC9. नामित ज़िम्मेदार व्यक्ति की पहचान कर उसे स्वास्थ्य-सुरक्षा के क्षेत्र में सुधार हेतु सुझाव देना।	3	2	-	-

PC10. किसी एक व्यक्ति के नियंत्रण के बाहर के किन्हीं भी खतरों की रिपोर्ट संगठनात्मक प्रक्रियाओं के अनुरूप सम्बन्धित व्यक्ति को देना एवं प्रभावित हो सकने वाले अन्य लोगों को सचेत करना।	5	5	-	-
आपातकालीन परिस्थितियों में तत्सम्बन्धी प्रक्रियाओं का पालन करना	7	8		
PC11. किसी खतरे की स्थिति में दुर्घटनाओं, आग या किसी अन्य प्राकृतिक आपदा आदि के लिए संगठनों की आपातकालीन प्रक्रियाओं का पालन करना।	5	5	-	-
PC12. व्यक्तिगत प्राधिकार की सीमा में रहते हुए अस्वस्थता, दुर्घटना, आगजनी या अन्य प्राकृतिक आपदाओं के जोखिमों को पहचानना एवं उन्हें सुरक्षित रूप से दूर करना।	2	3	-	-
एनओएस योग	50	50	-	-

राष्ट्रीय व्यावसायिक मानक (एनओएस/NOS) मापदण्ड

एनओएस कोड	MES/N0104
एनओएस का नाम	कार्यस्थल का माहौल स्वस्थ एवं सुरक्षित बनाए रखना
क्षेत्रक	मीडिया एवं मनोरंजन
उप-क्षेत्रक	फ़िल्म, टेलीविज़न, एनिमेशन, गेमिंग, रेडियो, विज्ञापन
पेशा या कार्य	विज्ञापन बिक्री/ खाता प्रबन्धन/समय-योजना/ट्रैफिक, डिजिटल संपदा का निर्माण, पत्रकारिता
एनएसक्यूएफ स्तर	5
क्रेडिट्स	TBD
संस्करण	1.0
अन्तिम समीक्षा की तिथि	30/12/2021
आगामी समीक्षा की तिथि	23/02/2027
एनएसक्यूसी द्वारा स्वीकरण की तिथि	24/02/2022

मूल्यांकन सम्बन्धी दिशा-निर्देश एवं वेटेज

मूल्यांकन सम्बन्धी दिशा-निर्देश

1. प्रत्येक योग्यता पैक के मूल्यांकन के लिए मानदंड सेक्टर कौशल परिषद द्वारा बनाया जाएगा। प्रत्येक प्रदर्शन मानदंड (पीसी) को एनओएस में इसके महत्व के अनुपात में अंक दिए जाएंगे। एसएससी प्रत्येक पीसी के लिए थ्योरी और स्किल प्रैक्टिकल के लिए अंकों का अनुपात भी निर्धारित करेगा।
2. सैद्धान्तिक भाग के लिए मूल्यांकन एसएससी द्वारा बनाए गए प्रश्नों के नॉलेज बैंक पर आधारित होगा।
3. मूल्यांकन सभी अनिवार्य एनओएस के लिए किया जाएगा, और जहां लागू हो, वहाँ चयनित वैकल्पिक/विकल्प एनओएस/एनओएस के सेट के लिए भी किया जाएगा।
4. व्यक्तिगत मूल्यांकन एजेंसियां प्रत्येक परीक्षा/प्रशिक्षण केंद्र पर प्रत्येक उम्मीदवार के लिए सिद्धांत भाग के लिए एक अद्वितीय प्रश्न पत्र तैयार करेंगी (आगे दिये गये मूल्यांकन मानदंड के अनुसार)।
5. व्यक्तिगत मूल्यांकन एजेंसियां इस मानदंड के आधार पर प्रत्येक परीक्षा/प्रशिक्षण केंद्र पर प्रत्येक छात्र के प्रायोगिक कौशल के लिए एक अद्वितीय मूल्यांकन करेंगी।
6. योग्यता पैक में उत्तीर्ण होने के लिए प्रत्येक प्रशिक्षु को कुल अंकों के न्यूनतम 70% अंक प्राप्त कर मूल्यांकन को सफलतापूर्वक पूरा करना होगा।
7. इसमें असफल होने की दशा में प्रशिक्षु योग्यता पैक हेतु पुनः परीक्षा दे सकते हैं।

योग्यता पैक स्तर पर उत्तीर्ण होने के लिए न्यूनतम प्रतिशत : 70%

(कृपया ध्यान दें: योग्यता पैक मूल्यांकन को सफलतापूर्वक पूरा करने के लिए प्रत्येक प्रशिक्षु को उपर्युक्त निर्दिष्ट न्यूनतम कुल उत्तीर्ण प्रतिशत स्कोर करना होगा।)

अनिवार्य एनओएस (NOS)

राष्ट्रीय व्यावसायिक मानक (NOS)	सैद्धान्तिक अंक	प्रायोगिक अंक	प्रायोजना अंक	मौखिक परीक्षा के अंक	कुल अंक	वेटेज
MES/N3408 : ध्वनि संपादित करना	40	60	-	-	100	30
MES/N3411 : मीडिया का दस्तावेजीकरण एवं भण्डारण करना	40	60	-	-	100	30
MES/N3412 : ध्वनि मिश्रण करना	40	60	-	-	100	30
MES/N0104 : कार्यस्थल का माहौल स्वस्थ एवं सुरक्षित बनाए रखना	50	50	-	-	100	10
योग	170	230	-	-	400	100

संक्षिप्तियाँ

NOS	राष्ट्रीय व्यावसायिक मानक National Occupational Standard(s)
NSQF	राष्ट्रीय कौशल अर्हता प्रेमवर्क National Skills Qualifications Framework
QP	योग्यता पैक Qualifications Pack
TVET	तकनीकी एवं व्यावसायिक शिक्षा एवं प्रशिक्षण Technical and Vocational Education and Training

शब्दावली

क्षेत्रक	क्षेत्रक समान व्यवसाय और हितों वाले विभिन्न व्यावसायिक कार्यों का एक समूह है। इसे अर्थव्यवस्था के एक विशिष्ट उपसमुच्चय के रूप में भी परिभाषित किया जा सकता है जिसके घटक समान विशेषताओं और हितों को साझा करते हैं।
उप-क्षेत्रक	क्षेत्रक के विभिन्न घटकों की अभिलाक्षणिकता और हितों के आधार पर इसे विभाजित करने पर उप-क्षेत्रक बनता है।
व्यवसाय	व्यवसाय किसी उद्योग में समान प्रकार के या परस्पर सम्बन्धित प्रकार की कार्य-भूमिकाओं का एक समूह है।
नौकरी या कार्य भूमिका	नौकरी या कार्य भूमिका ऐसे कार्यों का एक विशेष समूह है जो मिलकर एक संगठन में रोजगार के विशिष्ट अवसर उत्पन्न करते हैं।
व्यावसायिक मानक (ओएस)	व्यावसायिक मानक (ओएस) प्रदर्शन के उन मानकों की ओर निर्दिष्ट करता है जिसे किसी व्यक्ति को कार्यस्थल में किसी कार्य को करते समय प्राप्त करना चाहिए। ज्ञान और समझ (केयू) के साथ उन्हें उस मानक को लगातार पूरा करने की आवश्यकता होती है। ये व्यावसायिक मानक भारत के और वैश्विक दोनों ही संदर्भों में लागू होते हैं।
प्रदर्शन के मानदण्ड (पीसी)	प्रदर्शन मानदंड (पीसी) ऐसे प्रकथन हैं जो मिलकर किसी कार्य विशेष को करते समय आवश्यक प्रदर्शन के मानक को निर्दिष्ट करते हैं।
राष्ट्रीय व्यावसायिक मानक (एनओए)	एनओएस व्यावसायिक मानक हैं जो भारतीय संदर्भ में विशिष्ट रूप से लागू होते हैं।
Qualifications Pack(QP)	एक योग्यता पैक (क्यूपी) में किसी नौकरी या कार्य को करने के लिए आवश्यक शैक्षिक, प्रशिक्षण व अन्य मानदण्डों के साथ व्यावसायिक मानकों का एक समूह होता है।
इकाई कोड	यूनिट कोड एक व्यावसायिक मानक के लिए एक तरह का अद्वितीय पहचानकर्ता है, जिसे 'N' द्वारा दर्शाया जाता है।
इकाई का शीर्षक	इकाई का शीर्षक वह स्पष्ट और समग्र विवरण देता है कि कार्यधारक या नौकरीधारक को क्या-क्या करने में सक्षम होना चाहिए।
विवरण	विवरण में किसी इकाई की विषय-सामग्री का संक्षिप्त सारांश होता है। यह डेटाबेस पर खोज करने वाले किसी भी व्यक्ति के लिए यह समझने में मददगार होगा कि यह वही उपयुक्त व्यावसायिक मानक है, जिसे वे तलाश रहे हैं।
विषय-क्षेत्र या परास	किसी ओएस का विषय-क्षेत्र उन प्राचलों की पूरी परास को व्यक्त करने वाले कथन हैं, जिनसे किसी व्यक्ति को एक कार्य करने के दौरान निपटना होता है और जिसका प्रदर्शन की अभीष्ट गुणवत्ता पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ता है।
बोध और समझ	बोध और समझ ऐसे कथन हैं जो मिलकर ऐसे तकनीकी, श्रेणीगत, पेशेवर एवं संगठनात्मक ज्ञान का विवरण देते हैं जिनकी आवश्यकता एक व्यक्ति को किसी अभीष्ट मानक के अनुसार कार्य करने के लिए होती है।

संगठनात्मक परिप्रेक्ष्य	संगठनात्मक परिप्रेक्ष्य में प्रबन्धकों द्वारा उनके दायित्वों के संगत क्षेत्रों के कार्यकारी ज्ञान की परास के साथ ही वे तरीके भी सम्मिलित हैं जिनसे एक संगठन की रचना होती है और यह भी कि वे संचालित कैसे होते हैं।
तकनीकी ज्ञान	तकनीकी ज्ञान, विशिष्ट रूप से प्रदत्त जिम्मेदारियों को पूरा करने के लिए आवश्यक विशिष्ट ज्ञान है।
कोर कौशल/सामान्य कौशल	कोर कौशल या सामान्य कौशल (जीएस) कौशल का एक समूह है जो आज की दुनिया में सीखने और काम करने की कुंजी है। आज की दुनिया में किसी भी काम के माहौल में आमतौर पर इन कौशलों की जरूरत होती है। इन कौशलों की आमतौर पर किसी भी कार्य वातावरण में आवश्यकता होती है। ओएस के संदर्भ में, इनमें संचार संबंधी कौशल शामिल हैं जो अधिकांश कार्य भूमिकाओं पर लागू होते हैं।
ऐच्छिक	ऐच्छिक एनओएस/एनओएस के समूह हैं जो क्षेत्रक द्वारा एक कार्यभूमिका में विशेषज्ञता में योगदानकर्ता के रूप में चिह्नित किये जाते हैं। प्रत्येक विशिष्ट कार्य भूमिका के लिए एक क्यूपी के भीतर कई ऐच्छिक व्यावसायिक मानक हो सकते हैं। प्रशिक्षुओं को ऐच्छिक ओएस के साथ क्यूपी के सफल समापन के लिए कम से कम एक ऐच्छिक ओएस का चयन करना होगा।
विकल्प	विकल्प एनओएस/एनओएस के सेट हैं जिन्हें क्षेत्र द्वारा अतिरिक्त कौशल के रूप में पहचाना जाता है। क्यूपी के भीतर कई विकल्प हो सकते हैं। विकल्पों के साथ क्यूपी को पूरा करने के लिए किसी भी विकल्प का चयन करना अनिवार्य नहीं है।
बजट	बजट किसी प्रोडक्शन की कुल लागत का अनुमान होता है, जिसमें लागत के सभी या प्रमुख घटक समाहित होते हैं।
सातत्य	सातत्य एक शॉट से दूसरे शॉट में प्रतीत होने वाले संक्रमण को निरूपित करता है।
प्रतिलिप्यधिकार विधि	बौद्धिक संपदा और मूल उत्पादों/अवधारणाओं के रचनाकारों को दिए गए अधिकारों से जुड़ा एक कानूनी ढांचा।
पटकथा	पटकथा किसी कहानी का सुगठित कथानक होती है।
स्क्रीनप्ले	स्क्रीनप्ले में पटकथा के साथ ही दृश्यों की कुछ महत्वपूर्ण विशेषताओं और अभिनय सम्बन्धी निर्देशों को रखा जाता है।
लक्षित दर्शक/लोग	उन लोगों का समूह है, जिन्हें ध्यान में रखकर सामग्री/विज्ञापन निर्मित किये गये हैं। लक्षित दर्शकों को आमतौर पर उम्र, लिंग, आर्थिक वर्गीकरण, भूगोल या किसी भी अन्य संगत प्राचलों की सहायता से परिभाषित किया जाता है।